

यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाटक का दावा 2027 में फिर एनडीए सरकार

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाटक ने दावा किया है कि एक बार फिर प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए सरकार बनाने जा रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव के इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल नहीं होने पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाटक ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में आधे लोग एक तरफ हैं और आधे दूसरी तरफ, और उनके बीच आपस में ही जबरदस्त खींचतान चल रही है। अब इसका कोई मतलब या अहमियत नहीं रह गई



है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है और

2027 में यूपी में एक बार फिर भारी बहुमत के साथ भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी।

चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर मंत्री नरेंद्र कश्यप ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बहुत नॉन-पॉलिटिकल स्टेटमेंट और नॉन-पॉलिटिकल एक्शन है। चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन करना, सीबीआई-इंडी के खिलाफ आवाज उठाना, संविधान, संसद और न्यायालय पर सवाल खड़े करना, ये भारत के लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश है। कांग्रेस पार्टी लगातार होने वाली हार का ठीकरा आयोग पर फोड़कर जनता को गुमराह करने वाली है। इसलिए राहुल गांधी का कदम भारत और भारत के लोकतंत्र

के लिए बहुत घातक है, जिसका खामियाजा इंडिया गठबंधन और राहुल गांधी लंबे समय से भुगत रहे हैं। उन्होंने इंडिया ब्लॉक की बैठक पर कहा कि इंडी गठबंधन अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। सपा का इंडी बैठक में शामिल न होना गठबंधन के प्रति अविध्वंसनीयता का प्रमाण है। इंडी गठबंधन केवल रस्म अदायगी तक सीमित रह गया है। जब भी विधानसभा और पार्लियामेंट के चुनाव होते हैं, इंडी गठबंधन के सभी अधिकांश घटक दल अलग-अलग चुनाव लड़ते हैं और गठबंधन के धर्म को नहीं निभाते आते हैं। इसलिए देश में भी और देश के प्रांतों में भी एनडीए लगातार मजबूती बनाए

हुए है और देश-प्रदेश में सरकारों बनाकर एक बेहतर विकल्प देश के सामने पेश कर रहा है। अखिलेश यादव के पीडीए नारे पर तंज कसते हुए मंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव को सबसे पहले पीडीए की परिभाषा जनता के बीच में बताना चाहिए। एक राज्यसभा सीट उन्होंने अपने चाचा को दिया, तो दूसरी राज्यसभा पैसे वाले शख्स को दिया। उन्होंने परिवार और पैसे वाले को राज्यसभा सीट देकर पीडीए के लोगों के अरमानों को कुचलने का काम किया, उनकी इच्छाओं को मिटाने का काम किया। इससे साफ होता है कि उनके लिए परिवार और पैसा ही पीडीए है।



लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के तीसरे राज्यसभा उम्मीदवार, ५%ईंडिया५ गठबंधन के विरोध प्रदर्शन और सपा-कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर प्रतिक्रिया दी है। आईएनएस से बातचीत करते हुए ओम प्रकाश राजभर ने कहा, +अखिलेश यादव समय-समय पर ५पीडीए५ की परिभाषा बदलते रहते हैं। कल का उनका फॉर्मूला निकल कि ५पी५ से परिवार राम गोपाल यादव, ५डी५ से धनीराम दौलतमंद हैं और ५ए५ बच गया है। अब कहीं से अपराधी पकड़ कर लाएंगे।+ भाजपा के 10 विधायकों के संपर्क में होने के सपा के दावे पर ओम प्रकाश राजभर ने कहा, +किसके विधायक टूटते हैं, पता चल जाएगा। पिछले विधान परिषद और राज्यसभा चुनाव में कौन टूटा था।+ चुनाव आयोग के खिलाफ ५%ईंडिया५ गठबंधन के विरोध प्रदर्शन को लेकर सवाल पर ओपी राजभर ने कहा, +2014 से पहले देश में कांग्रेस की सरकार थी। पूरे सिस्टम पर कांग्रेस का कब्जा था। जब चुनाव हुआ तो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन गए। कांग्रेस को सफलता नहीं मिली और जनता ने नरेंद्र मोदी को चुन लिया।+ ओपी राजभर ने कहा, +2012 से 2017 तक अखिलेश यादव का पूरे उत्तर प्रदेश के सिस्टम पर कब्जा था। 2017 के चुनाव में जनता ने एनडीए गठबंधन को 325 सीटें दे दीं। अखिलेश यादव की ओर से कहा जा रहा है कि वोटों की चोरी हुई, ऐसे में उनका सिस्टम पर पकड़ नहीं था या जनता उनको पसंद नहीं कर रही है। सीईसी को नियुक्त हुए दो वर्ष हो गए, अगर ये चोरी करते तो एनडीए की सीटें घटती या बढ़ती। सपा और कांग्रेस के पास कोई काम नहीं है, इसलिए ये आंदोलन चला रहे हैं।+ उन्होंने कहा, +अखिलेश यादव का मार्क्सिक संतुलन खो गया है। पूरी प्रेस वार्ता में केवल मुसलमानों के विषय में बोलते रहते हैं।+</p>
</div>
<div data-label='Text'>
<p>कुपोषण पर योगी सरकार का ‘संभव’ प्रहार, 26 जिलों में 395 आंगनबाड़ी केंद्रों की पड़ताल</p>
</div>
<div data-label='Text'>
<p>लखनऊ 1 अक्टूबर।उत्तर प्रदेश में कुपोषण की रोकथाम और बच्चों की पोषण स्थिति में सुधार के लिए योगी सरकार के संभव 6.0 अभियान को जमीनी स्तर पर और प्रभावी बनाने की कवायद तेज है। बाल विकास एवं पुष्कार विभाग के साथ यूनिसेफ की राज्य एवं मंडलीय टीमें लगातार क्षेत्रीय अनुश्रवण मॉनिटरिंग कर अभियान की प्रगति, सेवाओं की गुणवत्ता और विभागीय समन्वय का जायजा ले रही हैं। अब तक 26 जनपदों के 395 आंगनबाड़ी केंद्रों का अनुश्रवण किया जा चुका है।अनुश्रवण के दौरान बच्चों के वजन और लंबाई-ऊंचाई की माप, वृद्धि निगरानी, संभव 6.0 की गतिविधियों, माइक्रोनूट्रान के क्रियान्वयन को देखा गया। अधिकांश केंद्रों पर वृद्धि निगरानी के उपकरण उपलब्ध मिले और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मापन संबंधी व्यावहारिक दक्षता सामान्यतः अच्छी पाई गई।26 जिलों में आकलन के दौरान अधिकांश जनपदों में आईसीडीएस, स्वास्थ्य और पंचायती राज विभाग के बीच समन्वय तथा अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी सकारात्मक मिली।यूनिसेफ की राज्य स्तरीय टीम के डॉ. सन्दीप सेठ ने हाल में आगरा, एटा और किरौड़ाबाद में क्षेत्रीय अनुश्रवण किया। आंगनबाड़ी केंद्रों पर संभव 6.0 की गतिविधियों और वृद्धि निगरानी का जायजा लेने के साथ अधिकारियों व फंटेलाइन कार्यकर्ताओं से संवाद कर आवश्यक तकनीकी सुझाव दिए गए।</p>
</div>
<div data-label='Section-Header'>
<h2>स्वास्थ्य, सुरक्षा, सामाजिक संरक्षण और पेंशन जैसी सुविधाओं के साथ बुजुर्गों का सम्मान</h2>
</div>
<div data-label='Text'>
<p>लखनऊ 1 अक्टूबर।अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर योगी सरकार ने वरिष्ठजनों के सम्मान और सामाजिक संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। समाज कल्याण विभाग, हेल्पेज इंडिया और वरिष्ठ नागरिक महासमिति के संयुक्त तत्वावधान में गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में आयोजित समारोह में 100 वर्ष की आयु पूरी कर चुके तीन वरिष्ठजनों को शतायु सम्मान और समाज में रचनात्मक योगदान दे रहे चार वरिष्ठजनों को ‘सीनियर अचीवर्स सम्मान’ प्रदान किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने लल्लू देवी, रानी कपूर और सेवानिवृत्त न्यायाधीश कमलेश्वर नाथ को शतायु सम्मान से सम्मानित किया। विनोद कुमार शुक्ल, ललित सिंह पोखरिया, इतिहासकार एवं लेखक डॉ. रवि भट्ट और डॉ. किशन वीर सिंह शाक्य को सीनियर अचीवर्स सम्मान मिला।मंत्री असीम अरुण ने कहा कि वरिष्ठजन अनुभव, संस्कार और जीवन मूल्यों की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव और आशीर्वाद से समाज समृद्ध होता है। बुजुर्गों का सम्मान केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। योगी सरकार वरिष्ठजनों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रही है। बुजुर्गों की देखभाल के लिए प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में केयर इकोनॉमी को रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जोड़ा जा रहा है। वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम और राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना संचालित हैं। प्रदेश के सभी 75 जनपदों में एचडीएम की अध्यक्षता में भरण-पोषण अधिकरण गठित हैं।कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के वृद्धाश्रमों की सुविधाओं पर डॉक्युमेंट्री दिखाई गई।</p>
</div>
<div data-label='Section-Header'>
<h2>पीडियाट्रिक ट्रॉमा इटीगेशन से हर साल बचेगी 1,800 जानें</h2>
</div>
<div data-label='Text'>
<p>लखनऊ 1 अक्टूबर।योगी सरकार ने बच्चों को गंभीर दुर्घटनाओं और चोटों के बाद समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में पीडियाट्रिक ट्रॉमा केयर को मौजूदा इमरजेंसी स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ने का रोडमैप तैयार कर लिया है। इसका उद्देश्य प्रदेश के करीब 6 करोड़ बच्चों के लिए हाई-लेवल कम लागत वाली एकीकृत ट्रॉमा केयर व्यवस्था विकसित करना है। इसके तहत अस्पतालों, इमरजेंसी सेवाओं, एंबुलेंस, विशेषज्ञ चिकित्सकों और रेफरल सिस्टम को एक साझा नेटवर्क में जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। इस व्यवस्था से हर साल करीब 1,800 जानें बचाने का लक्ष्य रखा गया है।योगी सरकार ने बाल ट्रॉमा को यूनिफाइड इमरजेंसी केयर आर्किटेक्चर विकसित करने की योजना बनायी है। इसका आधार गंभीर रूप से घायल बच्चे को दुर्घटना स्थल से लेकर प्राथमिक उपचार, ट्रॉमा सेंटर, विशेषज्ञ उपचार और आगे की देखभाल तक हर स्तर पर समयबद्ध और समन्वित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे इलाज में होने वाली देरी और मरीज को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भेजने में लगने वाले अतिरिक्त समय को कम किया जाएगा। वर्तमान में इमरजेंसी विभागों में ट्रॉमा बेड की हिस्सेदारी करीब 3 से 5 प्रतिशत है, जबकि एकीकृत ट्रामा केयर के जरिये इसे 12 से 15 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। इसके तहत प्रदेश में अलग-अलग स्तर की ट्रॉमा सुविधाओं का नेटवर्क विकसित करने की योजना है। इसमें लेवल-1 का एक, लेवल-2 के 36 और लेवल-3 के 126 इटीगरेटड ट्रॉमा एवं इमरजेंसी यूनिट को विकसित किया जाएगा। इससे 173 इंटरकनेक्टेड सुविधाएं तैयार होंगी</p>
</div>
</div>
<div data-label='Page-Footer'>
<div>
<div>
<div></div>
<div></div>
<div></div>
</div>
<div></div>
<div></div>
</div>
<div></div>
</div>

सीएम हेल्पलाइन 1076 आमजन की समस्याओं के समाधान का भरोसेमंद सेतु

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके कलाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके कलाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी संशा छिपाकर और काम को अलग-अलग संग्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टें के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्दिशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियानोंकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है।

भारतीय कूटनीति की सफलता



ब्रिक्स+ के जरिए विकासशील देशों में आपसी सहयोग की जमीन तैयार हुई है, इसकी पुष्टि नई दिल्ली में हुई। यह भी जाहिर हुआ कि भारत और चीन के संबंध में सुधार ब्रिक्स+ की प्रगति के लिए अनिवार्य है। साझा बयान पर सहमति बनाना ब्रिक्स+ के 18वें शिखर सम्मेलन की बड़ी कामयाबी रही। इसका काफी श्रेय मेजबान भारत को दिया जाएगा। पश्चिम एशिया के युद्ध में एक-दूसरे के खिलाफ खड़े ईरान और संयुक्त अरब अमीरात को एक वक्तव्य पर सहमत कर लेना भारतीय कूटनीति की सफलता मानी जाएगी। कहा जा सकता है कि ब्रिक्स+ के नई दिल्ली घोषणापत्र की भाषा नरम है, जिसमें ठोस मुद्दों पर अक्सर प्रत्यक्ष उल्लेख से बचा गया है। फिर भी इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि वक्तव्य में ब्रिक्स+ की सोच, दिशा, और मकसद का विस्तार से जिक्र हुआ।

एकरफा जबरिया कार्रवाई की निंदा, टैरिफ के जरिए मुक्त व्यापार विरोधी कदम की आलोचना, गज़ा में फिलस्तीनियों के बेदखली का विरोध, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के ढांचे में सुधार का समर्थन, आपसी कारोबार अपनी मुद्रा में करने का इशारा, और विकासशील देशों के बीच सहयोग आदि का स्पष्ट उल्लेख ब्रिक्स+ देशों ने साफ संदेश दिया कि मौजूदा वैश्विक परिस्थिति में वे कहां खड़े हैं। ब्रिक्स+ के न्यू डेवलपमेंट बैंक की और मजबूत करने और सदस्य देशों में विकास परियोजनाओं उसकी सहायक भूमिका बढ़ाने पर बनी सहमति का दूरगामी अर्थ है। दरअसल, इसी तरह की पहल के जरिए ब्रिक्स+ वर्तमान विश्व व्यवस्था के समानांतर गरीब एवं विकासशील देशों के बीच ठोस एवं भौतिक सहयोग की जमीन तैयार कर रहा है।

चूंकि इस समूह में शामिल देशों के बीच कोई विचारधारात्मक या रणनीतिक साझापन नहीं है, अतः कई बार उनका एक दूसरे के हितों के खिलाफ काम करते दिखना और उस कारण ब्रिक्स+ के उद्धार का शिकार हो जाना सामान्य बात है। इसके बावजूद इस समूह के जरिए गुजरे दो दशकों में आर्थिक, वित्तीय एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए आपसी सहयोग की जमीन तैयार हुई है, इसकी पुष्टि नई दिल्ली में हुई। यहां यह भी जाहिर हुआ कि भारत और चीन के बीच तनाव का घटना ब्रिक्स+ की प्रगति की एक प्रमुख शर्त है। चूंकि हाल में, ऐसा होता नजर आया है, इसलिए मंडराती तमाम आशंकाओं के बावजूद नई दिल्ली शिखर सम्मेलन इस समूह के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मुकाम बना। यह इसके लिए आशाजनक संकेत है।

कई मामलों में नागरिक जानकारी के अभाव में गलत कार्यालय या गलत प्रक्रिया में समय और संसाधन खर्च करते रहते हैं। ऐसे में सही प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और संबंधित विभाग की जानकारी मिलना भी किसी समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होता है।

इस दृष्टि से सीएम हेल्पलाइन आमजन के लिए शासन की सेवाओं तक पहुंच को अधिक सुगम बनाने में उपयोगी भूमिका निभाती है।

’आराधना सिंह के समस्या निराकरण से उच्च शिक्षा की राह हुई आसान’

सरगुजा जिले के ग्राम करिया की छात्रा आराधना सिंह का मामला सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से मिली सहायता का एक उदाहरण है।

12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद कॉलेज में प्रवेश की तैयारी के दौरान उन्हें पता चला कि उनके आधार कार्ड में जन्मतिथि गलत दर्ज है और उसमें लगभग तीन वर्ष का अंतर था। उन्होंने आधार केंद्र और डाकघर में सुधार का प्रयास किया, लेकिन जन्मतिथि में अधिक अंतर होने के कारण सामान्य प्रक्रिया से संशोधन नहीं हो सका। समस्या से चिंतित आराधना की सहायता के लिए उनके चाचा ने सीएम हेल्पलाइन 1076 की उपयोगिता इस बात में भी है कि नागरिक अपनी समस्या को सामने रखकर उसके समाधान की प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकते हैं। शिकायत प्राप्त होने के बाद संबंधित विषय को उचित स्तर पर पहुंचाया जाता है और आवश्यकता के अनुसार संबंधित अधिकारी नागरिक से संपर्क कर

शिकायत से समाधान तक नागरिकों को मार्गदर्शन, सहायता और त्वरित निराकरण की सुविधा

विशाल कुमार जायसवाल लोक कल्याणकारी शासन की सार्थकता तभी है, जब आम नागरिक को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उसकी बात शासन-प्रशासन तक सहजता से पहुंचे। इसी उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित सीएम हेल्पलाइन 1076 नागरिकों की समस्याओं और शासन-प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य कर रही है। यह व्यवस्था प्रदेश के नागरिकों को अपनी समस्याएं और शिकायतें दर्ज करके का माध्यम उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके निराकरण की दिशा में संबंधित विभागों तक शिकायत पहुंचाने और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने में सहायक है।

सीएम हेल्पलाइन का महत्व केवल शिकायत दर्ज करने तक सीमित नहीं है। आम नागरिकों के लिए कई बार समस्या से अधिक कठिन यह समझना होता है कि उसका समाधान कहाँ और किस प्रक्रिया के माध्यम से होगा। ऐसी स्थिति में हेल्पलाइन नागरिकों को उचित दिशा और आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करने में मदद करती है। दस्तावेजों से जुड़ी समस्या हो, किसी शासकीय सेवा का लाभ लेने में कठिनाई हो, आवेदन के निराकरण में विलंब हो अथवा किसी विभागीय प्रक्रिया को लेकर असमंजस होकूनागरिक अपनी समस्या शासन की इस व्यवस्था के माध्यम से सामने रख सकते हैं।

’एक शिकायत, समाधान की पूरी राह’

सीएम हेल्पलाइन 1076 की उपयोगिता इस बात में भी है कि नागरिक अपनी समस्या को सामने रखकर उसके समाधान की प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकते हैं। शिकायत प्राप्त होने के बाद संबंधित विषय को उचित स्तर पर पहुंचाया जाता है और आवश्यकता के अनुसार संबंधित अधिकारी नागरिक से संपर्क कर

समस्या की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इससे नागरिक को अपनी समस्या के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त होता है और वह निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे की कार्रवाई कर सकता है।

कई मामलों में नागरिक जानकारी के अभाव में गलत कार्यालय या गलत प्रक्रिया में समय और संसाधन खर्च करते रहते हैं। ऐसे में सही प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और संबंधित विभाग की जानकारी मिलना भी किसी समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होता है। इस दृष्टि से सीएम हेल्पलाइन आमजन के लिए शासन की सेवाओं तक पहुंच को अधिक सुगम बनाने में उपयोगी भूमिका निभाती है।

’आराधना सिंह के समस्या निराकरण से उच्च शिक्षा की राह हुई आसान’

सरगुजा जिले के ग्राम करिया की छात्रा आराधना सिंह का मामला सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से मिली सहायता का एक उदाहरण है। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद कॉलेज में प्रवेश की तैयारी के दौरान उन्हें पता चला कि उनके आधार कार्ड में जन्मतिथि गलत दर्ज है और उसमें लगभग तीन वर्ष का अंतर था। उन्होंने आधार केंद्र और डाकघर में सुधार का प्रयास किया, लेकिन जन्मतिथि में अधिक अंतर होने के कारण सामान्य प्रक्रिया से संशोधन नहीं हो सका। समस्या से चिंतित आराधना की सहायता के लिए उनके चाचा ने सीएम हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद संबंधित अधिकारियों ने उनसे संपर्क कर आवश्यक प्रक्रिया समझाई और जन्म प्रमाण पत्र, शपथ पत्र सहित आवश्यक दस्तावेज तैयार कर निर्धारित प्रक्रिया से आवेदन करने का मार्गदर्शन दिया। आराधना ने आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर प्रक्रिया पूरी की और लगभग एक सप्ताह में आधार कार्ड में जन्मतिथि का सुधार हो गया। इससे उनकी उच्च शिक्षा और भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने की राह आसान हुई। आराधना ने इस सहायता के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

एवं शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

’हर नागरिक के लिए उपयोगी व्यवस्था’

आराधना की तरह प्रदेश में अनेक नागरिकों के सामने अलग-अलग प्रकार की समस्याएं आती हैं। किसी विद्यार्थी के दस्तावेज में त्रुटि हो सकती है, किसी परिवार को शासकीय योजना का लाभ लेने में कठिनाई हो सकती है, किसी व्यक्ति का आवेदन लंबित हो सकता है या किसी नागरिक को किसी विभागीय सेवा की प्रक्रिया की जानकारी की आवश्यकता हो सकती है। ऐसी परिस्थितियों में सीएम हेल्पलाइन 1076 नागरिक को अपनी समस्या शासन के समक्ष रखने का एक माध्यम उपलब्ध कराती है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के लिए ऐसी व्यवस्था का महत्व और बढ़ जाता है, क्योंकि कई बार जानकारी के अभाव में वे यह तय नहीं कर पाते कि अपनी समस्या लेकर किस विभाग या कार्यालय में जाएं। हेल्पलाइन के माध्यम से समस्या दर्ज होने के बाद संबंधित प्रक्रिया की जानकारी और आवश्यक मार्गदर्शन मिलना उनके लिए समय, श्रम और अनावश्यक भागदौड़ को कम करने में सहायक हो सकता है।

’छात्र, किसान, महिलाएं, बुजुर्गकूहर वर्ग के लिए उपयोगी’

सीएम हेल्पलाइन की अवधारणा किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है। विद्यार्थी शिक्षा और दस्तावेजों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए इसका सहारा ले सकते हैं। किसान शासकीय सेवाओं को दर्ज करा सकते हैं। बुजुर्ग और अन्य नागरिक भी अपने सामने आने वाली प्रशासनिक कठिनाइयों के संबंध में सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार यह व्यवस्था शासन और नागरिक के बीच संवाद को मजबूत करने के साथ-साथ समस्या की जानकारी से समाधान की

दिशा तक पहुंचने का माध्यम बनती है।

’सुशासन की दिशा में नागरिक-केंद्रित पहल’

किसी भी शासन व्यवस्था में नागरिक का विश्वास तभी मजबूत होता है, जब उसे यह महसूस हो कि उसकी समस्या सुनी जा रही है और उसके समाधान के लिए निर्धारित व्यवस्था मौजूद है। सीएम हेल्पलाइन 1076 इसी नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

‘सेवा संकल्प से साकार हो रहा सुर्पोषित छा्तीसगढ़’

ओम प्रकाश डहरिया प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान की भावना जनभागीदारी और सेवा के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच रही है। इस अभियान की सार्थक पहल ‘%आंगन मिलन उत्सव’ के रूप में गांवों के आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचती दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की सेवा-भावना से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का उल्लेख आधिकारिक स्तर पर भी किया गया है।

आंगन मिलन उत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों के स्वस्थ, वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य के लिए समाज की सामूहिक जिम्मेदारी का उत्सव है। गांव के आंगनबाड़ी केंद्रों में महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का सम्मान, बच्चों को कुपोषण से बाहर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दीदियों, मितानिनों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान इस पहल को सेवा और सम्मान की संवेदना से जोड़ता है।

गांव के वरिष्ठ नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता इस आयोजन को और अधिक आत्मीय बनाती है। उनके हाथों बच्चों और महिलाओं को सुपोषण एवं स्वस्थ जीवन के लिए उपयोगी टिप्स दिए जाना उस पीढ़ी के अनुभव को नई पीढ़ी के भविष्य से जोड़ने जैसा है।

उत्सव में अन्न के दानों से बनाई गई सुपोषण की रंगोली केवल कला की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि यह संदेश देती है कि हमारे घर और खेतों में उपलब्ध पौष्टिक अन्न ही स्वस्थ जीवन की मजबूत नींव है। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी सुपोषण का संदेश सहज और प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में अन्नप्रशान कार्यक्रम नवजात के जीवन में पोषण की नई शुरुआत का प्रतीक बनता है, तो गोद भराई कार्यक्रम मातृत्व, मातृ-स्वास्थ्य और आने वाली पीढ़ी की देखभाल के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का भाव जगाता है। दरअसल, सुपोषण केवल भोजन की पर्याप्तता का विषय नहीं है। यह मां के स्वास्थ्य, बच्चे के पोषण, परिवार की जागरूकता और समाज की सहभागिता से जुड़ा व्यापक संकल्प है। जब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, स्व-सहायता समूह की दीदियां, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक और ग्रामीण समुदाय एक साथ मिलकर बच्चों के पोषण की चिंता करते हैं, तब सेवा का भाव धरातल पर दिखाई देता है। आज के बच्चों के स्वस्थ शरीर में ही कल के विकसित समाज की नींव रखी जाती है। इसलिए कुपोषण के विरुद्ध जागरूकता, मातृ-शिशु स्वास्थ्य की देखभाल और सुपोषण की आदतों को बढ़ावा देना वास्तव में आने वाली पीढ़ी के लिए किया गया सबसे बड़ा निवेश है। सेवा संकल्प की यही असली तस्वीर है-जहां सम्मान भी है, सहभागिता भी है और आने वाली पीढ़ी के स्वस्थ भविष्य का संकल्प भी।

विविध

आज का राशिफल

सोच-समझकर लेना चाहिए। आज परिवार वालों का सहयोग प्राप्त होता रहेगा।
शुभ रंग - पर्पल
शुभ अंक - 9
सिंह राशि- सिंह राशि वालों आज आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। आज घर पर अचानक मेहमानों का आगमन होगा। आज आपका ध्यान धार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा। कार्यों में जीवनसाथी के सहयोग से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक बड़ा धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। भगवान राम की कृपा से आपके जीवन में खुशहाली आएगी। आज आप अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव लाएंगे। लवमेट कहीं घूमने जाएंगे।
शुभ रंग - हरा
शुभ अंक - 8
कन्या राशि- कन्या राशि वालों आज कारोबार में आपको लाभ ही लाभ होगा। शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। घरेलू काम को निपटाने में आप सफल रहेंगे। भगवान राम के आशीर्वाद से आज कई योजनाएं समय से पूरी हो जाएंगी। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अच्छी-खासी सफलता मिलेगी। आज आप अपनी ऊर्जा से बहुत कुछ हासिल कर लेंगे। भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आप नए कदम उठाएंगे।
शुभ रंग - पीच
शुभ अंक - 4
तुला राशि- तुला राशि वालों आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनी रहेगी। आज काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन आप किसी काम के लिए जितना ज्यादा प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा। आज किसी अनुभवही की राय आपके लिए बेहतर साबित होगी। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्ते को लेकर आप धावुक हो सकते हैं। कारोबार में आज आपको फायदा होगा। दाम्पत्य जीवन में नई-नई खुशियां आएंगी।
शुभ रंग - काला
शुभ अंक - 3
वृश्चिक राशि- वृश्चिक राशि वालों आज आपका सोचा हुआ काम पूरा होगा। आसपास के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आज आपकी किसी सुराे मित्र से मुलाकात होगी। आज व्यापार को बढ़ाने के लिए कई फैसला लेंगे,

जिसका फायदा अवश्य मिलेगा। रोजमर्रा के काम समय पर पूरे होंगे। आज आपके व्यवहार से जीवनसाथी प्रसन्न होंगे। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। ऑफिस में आपको किसी नए प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिलेगी, जिसको निभाने में आप सफल रहेंगे।
शुभ रंग - लाल
शुभ अंक - 3
धनु राशि- धनु राशि वालों आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आज आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आज की गई व्यापारिक यात्रा से लाभ होगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। ऑफिस में काम को पूरा करने में पूरी तरह से आप सक्षम होंगे। इस राशि के लॉ की पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बहुत बढ़िया रहेगा। करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे।
शुभ रंग - नीला
शुभ अंक - 6
मकर राशि-मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे। आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीदेंगे। जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे। आज वाहन लेने के योग बन रहे हैं। आज आप कुछ नए कार्य प्रारंभ करने का मन बनाएंगे। प्रॉपर्टी डीलर के व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन

फेब्रवरल है।
शुभ रंग - सफेद
शुभ अंक - 8
कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरिन रहने वाला है। आज आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आज आय के नए स्रोत सामने आएंगे। ऑफिस का काम पूरा करने की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। आज जीवनसाथी आपकी तारीफ करेंगे, इससे आपके रिश्ते में और मधुरता आएगी। आज आपके धन-संपत्ति में वृद्धि होगी। आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे। आज आपको अपनी मेहनत का फल अवश्य मिलेगा। लवमेट किसी धार्मिक स्थल पर घूमने जाएंगे। बच्चों को स्टोरी बुक उपहार में दें, समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।
शुभ रंग - गुलाबी
शुभ अंक - 6
मीन राशि-मीन राशि वालों आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा। आज शाम को किसी पारिवारिक समारोह में जाने का मौका मिलेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर बनेंगे। आज सीनियर्स आपके मां से खुश होंगे।
आज आपको सेहत के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। आज नौकरी में पदोन्नति होगी।
शुभ रंग - नारंगी
शुभ अंक - 2

एशियन गेम्स - मनु फासिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने पुरुषों के रिकफ इवेंट में सिल्वर जीता

एशियन गेम्स में भारत ने सेलिंग में अपना पहला मेडल जीता। गुरुवार को पुरुषों के रिकफ इवेंट में मनु फासिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने सिल्वर मेडल हासिल किया। नौ रैस के बाद वे चीन की जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। भारतीय जोड़ी ने 23 पॉइंट्स के साथ रेगटाट (सेलिंग प्रतियोगिता) खत्म किया। चीन की जोड़ी, वेन जाइडिंग और लियू तियान ने 16 पॉइंट्स के साथ गोल्ड मेडल जीता, जो भारतीय जोड़ी से चार पॉइंट्स कम थे। हांगकांग, चीन के अकीरा ल्यूक कसाई और रसेल आयल्सवर्थ 24 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहे। फासिस और नोबल का प्रदर्शन लगातार अच्छ रहा। उनका स्कोर अच्छे नतीजा तीसरी रेस में आया, जिसे उन्होंने जीता। भारतीय सेलर्स ने रेस 3 जीती और रेस 1, 5 और 9 में दूसरे स्थान पर रहे। नौ रेस में उन्होंने कुल 29 पॉइंट्स हासिल किया। रेस 8 में छठे स्थान पर रहने के नतीजे को हटाकर उनका नेट स्कोर 23 रहा।

यह मेडल पुरुषों के स्किफ इवेंट में भारत का पहला एशियन गेम्स सिल्वर मेडल और इस इवेंट में देश का दूसरा मेडल था। वरुण ठक्कर और केसी गणपति ने जकाता 2018 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। मनु और प्रिंस का सिल्वर

मुन्नी का हौसला, एम हेल्प वॉटर की धार, महालक्ष्मी समूह से रोजगार की बहार”

“पीएमईजीपी से शुरू किया पैकड पेयजल प्लांट, खुद बनीं आत्मनिर्भर और 10 लोगों को दिया रोजगार”

’(विजय माणिकपुरी)

सेवा संकल्प अभियान केवल सेवा कार्यों तक सीमित नहीं, बल्कि जनभागीदारी से आत्मनिर्भर और सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प भी है। इसी भावना को ग्राम डुमरिया की श्रीमती मुन्नी बाई राजवाड़े अपने उद्यम के माध्यम से साकार कर रही हैं। कभी खेतों में मजदूरी और छोटे-मोटे काम करके परिवार चलाने वाली मुन्नी बाई आज सरकारी योजनाओं के सहयोग से सफल महिला उद्यमी बन चुकी हैं। बिहान योजना से स्वयं सहायता समूह का संबल मिला, प्रशिक्षण से आत्मविश्वास बढ़ा और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) ने उनके सपने को कारोबार में बदलने का आर्थिक आधार दिया। आज वे स्वयं आत्मनिर्भर हैं और करीब 10 लोगों को रोजगार भी दे रही हैं।

” समूह से जुड़कर मिली उद्यम की राह ”

मुन्नी बाई बिहान योजना के अंतर्गत महालक्ष्मी महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आजीविका गतिविधियों का प्रशिक्षण मिला। रायपुर में प्रशिक्षण के दौरान उन्हें पीएमईजीपी की जानकारी मिली। योजना से प्रभावित होकर उन्होंने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र पहुंचकर विस्तृत जानकारी ली और अपना व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। परिवार की सीमित आर्थिक स्थिति के बावजूद उन्होंने गांव में जमीन लेकर पैकड पेयजल प्लांट स्थापित करने का फैसला किया। कई महीनों की प्रक्रिया के बाद पीएमईजीपी के तहत करीब 25 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। ऋण एवं उपलब्ध सहायता से शेड, बाउंड्री और बोरेल सहित आवश्यक व्यवस्था तैयार की गई। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने %एम हेल्प वॉटर’ पैकड पेयजल प्लांट शुरू किया।

एक उद्यम से 10 लोगों को रोजगार

मुन्नी बाई का व्यवसाय अब केवल उनके परिवार की आजीविका तक सीमित नहीं है। प्लांट में उनके पति, बेटा-बेटी, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तथा अन्य कर्मचारी कार्य कर रहे हैं।करीब 10 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला रहा है और कर्मचारियों को 6 से 9 हजार रुपये तक प्रत्यक्ष वेतन दिया जा रहा है। पानी की गुणवत्ता जांच से लेकर बोतल भरने और पैकेजिंग तक के कार्यों के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। इससे ग्रामीण महिलाओं को गांव में ही रोजगार और नए कौशल का अवसर मिला है।

गांव से कई जिलों तक पहुंचा कारोबार

मुन्नी बाई के अनुसार पिछले एक वर्ष में करीब एक से डेढ़ लाख पानी की बोतलों की पैकिंग की जा चुकी है। बैकूण्टपुर के साथ मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, अंबिकापुर, प्रतापपुर, विश्रामपुर, सूरजपुर, भैयाथान और कुदरगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में %एम हेल्प वॉटर’ की आपूर्ति की जा रही है।

महालक्ष्मी महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद मिली वित्तीय सहायता, बैंक लिंकेज, प्रशिक्षण और उद्योग विभाग के अतिरिक्त से पीएमईजीपी का सहयोग उनके उद्यम की सफलता में महत्वपूर्ण साबित हुआ। मुन्नी बाई प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि पीएमईजीपी जैसी योजनाओं ने उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने का अवसर दिया। सरकारी सहयोग और मार्गदर्शन से आज वे अपने पैरों पर खड़ी हैं और दूसरों को भी रोजगार दे पा रही हैं। मुन्नी बाई की कंकण बताती हैं कि सरकारी योजनाओं का लाभ जब जनभागीदारी, संकल्प और मेहनत से जुड़ता है, तो उसका प्रभाव एक परिवार से आगे बढ़कर पूरे समाज तक पहुंचता है। एक महिला आत्मनिर्भर बनती है, रोजगार के अवसर पैदा करती है और गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहभागी बनती है। सेवा संकल्प अभियान की भावना भी यही है-सेवा के साथ जनभागीदारी, आत्मनिर्भरता विकसित समाज के निर्माण में हर व्यक्ति की भागीदारी। मुन्नी बाई इसी संकल्प की एक प्रेक तस्वीर हैं।



जिलाधिकारी ने संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का किया शुभारंभ

जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, 01 से 31 अक्टूबर तक चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान



संवाददाता

दस्तक अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने जन-जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली जिला अस्पताल परिसर से प्रारंभ होकर

जाएगा। अभियान के दौरान डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया, कालाजार, दिमागी बुखार सहित अन्य संचारी रोगों की रोकथाम एवं बचाव के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छता ही अनेक बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। साफ-सफाई एवं स्वच्छता को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का हिस्सा बनाकर अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने अभियान के दौरान संचारी रोगों के लक्षण वाले मरीजों की पहचान, समय से उपचार तथा जन-जागरूकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान डेंगू, मलेरिया एवं दिमागी बुखार आदि के लक्षण वाले मरीजों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही लोगों को अपने आसपास साफ-सफाई रखने, जलभराव न होने देने तथा मच्छरों

से बचाव के उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। दस्तक अभियान के अंतर्गत आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों द्वारा 12 से 31 अक्टूबर तक घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस दौरान डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी ईसेफेलाइटिस, इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस सहित अन्य संचारी रोगों के लक्षण एवं बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही रोग के लक्षण वाले व्यक्तियों एवं कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर उनका विवरण नाम, पता एवं मोबाइल नंबर सहित तैयार किया जाएगा तथा निर्धारित विवरण को ई-कवच पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक धनंजय, एसीएमओ डॉ. संजय गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी विवेक कुमार श्रीवास्तव सहित स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गड्डों में तब्दील हुआ सुरहरपुर-बंदी कला मार्ग, झाड़-झंखाड़ से राहगीर परेशान



संवाददाता

वलीदपुर। मुहम्मदाबाद गोहना चिंरैयाकोट मार्ग पर सुरहरपुर से बंदी कला गांव को जोड़ने वाला 50 साल पुराना लगभग 6 किलोमीटर लम्बा संपर्क मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग सकरा होने के कारण दोनों ओर उगी झाड़ियां और झाड़-झंखाड़ भी सड़क की जमीन पर फैल गए हैं। इससे सड़क की चौड़ाई और कम हो गई है और लोगों को निकलने में दिक्कत हो रही है।

यह मार्ग आसपास के बन्दीकला जमालपुर नगरीपुर चेरडीह बरडीहा खुशामपुर आदि 30 गांवों के लोगों के लिए आवागमन का महत्वपूर्ण साधन है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इसी रास्ते से बाजार, स्कूल, अस्पताल और अन्य जरूरी कामों के लिए आते-जाते हैं। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण वाहन चालकों को मजबूरी में धीमी गति से गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से सड़क के गड्ढों की मरम्मत कराने, मार्ग के किनारे उगी झाड़ियां और झाड़-झंखाड़ हटवाने तथा सड़क की चौड़ाई को अतिक्रमण से मुक्त कराने, मार्ग के किनारे उगी झाड़ियां और झाड़-झंखाड़ हटवाने तथा सड़क की चौड़ाई को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते सड़क की मरम्मत और साफ-सफाई नहीं कराई गई तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है। इस बाबत उपजिलाधिकारी अर्चना अग्निहोत्री के कहा कि संबंधित विभाग से बातकर समस्या का समाधान कराया जायेगा।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर जिलाधिकारी ने वृद्ध आश्रम पहुंचकर वरिष्ठजनों को किया सम्मानित



संवाददाता

मऊ।अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर आज जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने मोहम्मदाबाद गोहना स्थित वृद्ध आश्रम पहुंचकर वहां निवासरत वरिष्ठजनों से मुलाकात की तथा उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान

वरिष्ठजन समाज और परिवार की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने वृद्धजनों को आश्वासन दिया कि वे उनके सुख-दुख में सहभागी रहेंगे तथा जब भी आवश्यकता होगी, वृद्ध आश्रम पहुंचकर उनसे मुलाकात करते रहेंगे। इस दौरान जिलाधिकारी ने बुजुर्गों से आशीर्वाद भी लिया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा वर्तमान समय में नई पीढ़ी के बुजुर्गों के प्रति व्यवहार पर आधारित भावनात्मक नुकड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से उन परिस्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया, जिनमें कई बुजुर्गों को उनके अपने बच्चे वृद्ध आश्रम पहुंचा देते हैं तथा कुछ परिवारों में नई पीढ़ी अपने माता-पिता के लिए समय तक नहीं निकाल पाती। बच्चों की भावपूर्ण प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया और कई लोगों की आंखें नम हो गईं। इसी क्रम में वृद्ध आश्रम में निवासरत

ऐसे बुजुर्गों, जिन्हें आंखों से संबंधित समस्या थी, का चिकित्सकीय परीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी द्वारा जरूरतमंद वरिष्ठजनों को चश्मे भी प्रदान किए गए। इस पहल से बुजुर्गों में विशेष प्रसन्नता देखने को मिली। जिलाधिकारी ने कहा कि वृद्धजनों का सम्मान एवं उनकी देखभाल केवल किसी एक दिवस तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह समाज और परिवार की निरंतर जिम्मेदारी है। उन्होंने नई पीढ़ी से बुजुर्गों के प्रति संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी मोहम्मदाबाद गोहना सुश्री अर्चना अग्निहोत्री, तहसीलदार मोहम्मदाबाद गोहना तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीमती रश्मि मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

घोसी में बुजुर्ग दिवस पर सम्मान की छांव मेंबुजुर्गों के खिले चेहरे, पौधरोपण से दिया पीढ़ियों को संदेश

संवाददाता

घोसी(मऊ)बुजुर्गों का सम्मान केवल परंपरा नहीं बल्कि समाज की जिम्मेदारी भी है। इसी सोच को साकार करते हुए बुजुर्ग दिवस के अवसर पर गुरुवार को नगर पंचायत सभागार में विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शासन के निर्देश पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में बुजुर्गों को सम्मानित करने के साथ उनकी समस्याओं को सुना गया और पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने की पहल की गई।साथ ही शपथ दिलाया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत के ईओ अनिल कुमार ने बुजुर्गों का सम्मान किया। सम्मान पाकर बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी नजर आई। इसके बाद बुजुर्गों से पौधरोपण कराया गया।



पौधा रोपकर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य का संदेश दिया। इस दौरान नगर पंचायत की ओर से बुजुर्गों से उनकी समस्याओं और जरूरतों की जानकारी ली गई। आर्थिक रूप से कमजोर पात्र बुजुर्गों के वृद्धावस्था पेंशन के आवेदन भी भरवाए गए ताकि उन्हें नियमित

सम्मान किसी एक दिवस तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उनके प्रति सम्मान और संवेदनशीलता हमेशा बनी रहनी चाहिए। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से नगर पंचायत का प्रयास है कि बुजुर्गों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए और पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए।उन्होंने कहा कि किसी बुजुर्ग को सरकारी सुविधा के लिए भटकना न पड़े इसके लिए नगर पंचायत स्तर पर हरसंभव सहयोग किया जाएगा। पात्र बुजुर्गों को वृद्धावस्था पेंशन सहित अन्य योजनाओं से जोड़ने का कार्य लगातार जारी रहेगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ लिपिक राकेश पांडेय, लिपिक अनिल, शादाब खान, सुजीत,सफाई नायक विमलेश कुमार,शैलेश सहित नगर पंचायत के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में युवक की मौत, दो गंभीर,सब्जी लेकर घर लौट रहे थे अभयजीत उर्फ गब्बू,हादसे के बाद रतनपुरा में पसरा मातम,चिकित्सक पिता का रो-रोकर बुरा हाल



रतनपुरा(मऊ) । हलधरपुर थाना क्षेत्र के रतनपुरा विकासखंड में बुधवार की देर शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया।रतनपुरा-भीमपुरा मार्ग पर बसनहीपुल के आगे सरकारी ठेके की दुकान के आस पास दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की खबर मिलते ही रतनपुरा बाजार में अफरा-तफरी मच गई और देखते

करउत, उम्र 34 वर्ष जो नगरा में पुलिस विभाग में कार्यरत थे अपने घर पर आ रहे थे जो अपनी अपाचे बाइक पर सवार थे। दोनों बाइकों की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अभयजीत सिंह उर्फ गब्बू तथा राजेश सिंह तथा श्याम लाल यादव तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

आसपास के लोगों ने तत्काल घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जोगापुर पहुंचाया।अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने अभयजीत सिंह उर्फ गब्बू को मृत घोषित कर दिया।वहीं गंभीर रूप से घायल राजेश सिंह और श्यामलाल यादव की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए मऊ रेफर कर दिया।हादसे की खबर रतनपुरा पहुंचते ही बाजार में सन्नटा पसर गया। देखते ही देखते रतनपुरा बाजार में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।पुलिस की मौजूदगी के कारण क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई।डॉ. अभिमन्यु सिंह के क्लीनिक और आवास पर शुभचिंतकों, परिचितों और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।जिस घर में कुछ समय पहले तक रोजमर्रा की ज़िंदगी की

चहल-पहल थी, वहां अचानक मातम छा गया। बुढ़ापे का सहारा कहे जाने वाले बेटे को खोने का दर्द पिता के लिए कितना असहनीय होता है,इसका मंजर डॉ. अभिमन्यु सिंह की आंखों से छलकते आंसुओं में साफ दिखाई दे रहा था।बेटे की असमय मौत से वह पूरी तरह टूटे नजर आए।मौजूद लोग उन्हें ढाँढस बंधाते रहे, लेकिन गम का पहाड़ ऐसा था कि साँत्वना के शब्द भी मानो छोटे पड़ गए।

दो बेटों के सिर से पिता का साया उठ गया,

अभयजीत सिंह उर्फ गब्बू अपने पीछे दो पुत्रों को छोड़ गए हैं।पिता की अचानक मौत की खबर ने परिवार को भीतर तक तोड़ दिया है। जिस उम्र में बच्चों को पिता का हाथ थामकर आगे बढ़ना था, उसी उम्र में उनके सिर से पिता का साया उठ गया।हादसे ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि सड़क पर बर्ती गई जरा-सी असावधानी किसी परिवार की पूरी दुनिया उजाड़ सकती है। काल कब, किस मोड़ पर किसका रास्ता रोक दे, कोई नहीं जानता। रतनपुरा में हुए इस हादसे ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है।समाचार लिखे जाने तक रतनपुरा में शोक का माहौल बना हुआ था।

मानदेय बढ़ोतरी के लिए समूह सखियों ने दिया ज्ञापन

इंदारा।कोपांग विकास खंड पर वृहस्पतिवार को मानदेय बढ़ोतरी समेत विभिन्न मांगों को लेकर समूह सखियों ने खंड विकास अधिकारी कोपांग चंद्रशेखर कुशवाहा को ज्ञापन दिया।इस दौरान महिलाओं ने मानदेय बढ़ाकर बीस हजार रुपए प्रतिमाह कराने और अन्य उपलब्ध कराने की मांग उठाई।



राजभर, पुनम, रिना राव, सुमित्रा, लक्ष्मी, अनीता बिनम,कुमकुम,देवन्ती,सुमन पुनिता,ममता,संजू समेत कई समूह सखियां मौजूद रहीं।

समूह सखियों ने कहा कि मंहगाई के दौर में समूह सखियों को महज दो हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय मिल रहा है इतनी कम राशियों में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है इसके अलावा सरकारी कार्य पूरा करने के लिए हमें अपने ही पैसे से मोबाइल रिचार्ज करना पड़ रहा है इससे आर्थिक परेशान और बढ़ जा रही है महिलाओं ने बताया कि सरकारी योजनाओं और कार्यों के क्रियान्वयन में सहयोग कर रही है लेकिन उन्हें जरूरी सुविधाएं नहीं मिल रही है। सरकार से मांग की गई कि मानदेय बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए। साथ ही स्मार्टफोन, पहचान पत्र और निर्धारित ड्रेस उपलब्ध कराई जाए। इसके अलावा अन्य सुविधाओं का लाभ भी दिलाया जाए। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से धरने में बिंदु शर्मा, चंद राजभर, धैता राजभर, कविता यादव, कुसुम

सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंडों में बहुद्देशीय शिविर की गयी आयोजित

संवाददाता

मऊ।सेवा संकल्प अभियान के तहत जनपद के विभिन्न विकासखंडों में बहुद्देशीय शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों के माध्यम से आमजन को केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा आवश्यक अभिलेखों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। बहुद्देशीय शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाए गए, जहां ग्रामीणों की समस्याओं को जज्ञासाओं का समाधान किया गया। आमजन को बताया गया कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र लाभार्थी संबंधित विभाग में संपर्क कर आवश्यक प्रपत्रों की सही जानकारी प्राप्त करते हुए निर्धारित प्रक्रिया के



अनुसार आवेदन कर सकते हैं। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने तथा पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिलाना रहा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का भी आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविरों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाओं की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। लोगों को

नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की सलाह दी गई। इसी क्रम में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं। ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए स्वच्छता अभियान चलाया गया। लोगों को अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई रखने, कूड़े का उचित निस्तारण करने तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान बताया गया कि 'स्वच्छता ही स्वस्थता का राज है'

और स्वच्छता अपनाकर अनेक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। सेवा संकल्प अभियान के तहत जनपद के विभिन्न स्थलों पर पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। लोगों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण करने की अपील की गई, ताकि पौधे सुरक्षित रूप से विकसित होकर पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने में योगदान दे सकें। इसके साथ ही विकासखंड स्तर पर प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाकर एवं एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

ग्रामीणों को योजनाओं के लाभ, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस दौरान आमजन को प्रेरित किया गया कि वे जागरूक होकर पात्रतानुसार

सेवा संकल्प अभियान के तहत परदहा में जन चौपाल का आयोजन

मऊ।सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी के निर्देशानुसार विकास खण्ड परदहा में जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा बैनर एवं पोस्टर के साथ स्टॉल लगाकर शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी आमजन को दी गई। महिला कल्याण विभाग के हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमन की टीम द्वारा भी स्टॉल लगाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, सम्मान तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चियों का अन्नप्रश्रान कराया गया। साथ ही बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बेबी किट वितरित कर कन्या जन्मोत्सव मनाया गया तथा बालिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को महिला एवं बालिका सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। पात्र लाभार्थियों को शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया एवं सुविधाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक सिंह ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सर्वाधिकार के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने संबंधित विभागों एवं कार्यकर्ताओं से सेवा संकल्प अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करते हुए अधिक से अधिक पात्र महिलाओं एवं बालिकाओं को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने का आह्वान किया। इस अवसर पर महिला कल्याण विभाग की हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमन की जेडर स्पेशलिस्ट श्रीमती तुषि राय, जनपद स्तरीय अधिकारी/कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

नवरात्रि, दुर्गापूजा व दशहरा को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

दोहरीघाट(मऊ) । गुरुवार शाम पांच बजे नवरात्रि, दुर्गापूजा, रामलीला और दशहरा पर्वों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए शांति समिति की बैठक हुई। यह बैठक दोहरीघाट थाना परिसर में घोसी के क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र भूषण तिवारी की अध्यक्षता में हुई। इसमें थाना प्रभारी निरीक्षक रामायण सिंह, नायब तहसीलदार अमरनाथ यादव समेत कई गणमान्य नागरिक और विभिन्न समितियों के सदस्य थे। सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई, बिजली, पूजा पंडालों की सुरक्षा और जुलूस के मार्गों पर चर्चा हुई। क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र भूषण तिवारी ने सभी से मिल-जुलकर त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा, अफवाहों पर ध्यान न दें और समस्या होने पर तुरंत पुलिस को बताएं। पुलिस सुरक्षा को लेकर सतर्क रहेगी। उन्होंने कहा कि पंडालों में कैमरे जरूर लगाएं। डीजे संचालकों को कम गति में डीजे बजाने की बात कही।थाना प्रभारी रामायण सिंह ने कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता बताया। उन्होंने समितियों से पंडालों में सुरक्षा और सोशल मीडिया पर ध्यामक पोस्ट न फैलाने को कहा। नायब तहसीलदार अमरनाथ यादव ने साफ-सफाई, बिजली, पानी पर जोर दिया। अधिकारियों ने शांति भंग करने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी दी। बैठक में उपस्थित उप निरीक्षक अमरनाथ त्रिपाठी, संतोष कुमार, सत्येंद्र प्रजापति, ओमप्रकाश सिंह, अध्यक्ष विनय जायसवाल, गोठ ग्राम प्रधान रामजनम गुप्ता, आजाद जायसवाल, गोठ रामलीला अध्यक्ष अजय उपाध्याय, पप्पू गुप्ता, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

विकास भवन में डीएम का औचक निरीक्षण, पांच कर्मचारी मिले अनुपस्थित

संवाददाता

बहराइच ब्यूरो 01 अक्टूबर। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने गुरुवार सुबह विकास भवन पहुंचकर विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जिला विकास अधिकारी, अर्थ एवं संख्या अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी तथा परियोजना निदेशक डीआरडीए कार्यालय समेत विभिन्न कार्यालयों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सहित पांच कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने अनुपस्थित कर्मचारियों की गैरहाजिरी को गंभीरता से लेते हुए एक दिन का वेतन काटने



तथा मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचकर अपने पदीय दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान अर्थ एवं

संख्या अधिकारी कार्यालय में पत्रावलियों एवं अभिलेखों के रख-रखाव की स्थिति का जायजा लेते हुए जिलाधिकारी ने सभी अभिलेखों को व्यवस्थित ढंग से सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त

करते हुए परियोजनावार नोडल अधिकारी नामित करने और नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित विकास कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने तथा प्रगति में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि विकास

कार्यों में अनावश्यक विलंब पाए जाने पर जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए संबधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने डीपीआरओ, डीडीओ, डीसी मनरेगा एवं समस्त खंड विकास अधिकारियों को वित्तीय वर्ष में ग्राम पंचायतों में राज्य वित्त एवं 15वें वित्त आयोग से संबंधित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही नवीन कार्यों की नियमानुसार स्वीकृति में विलंब पर नाराजगी जताते हुए निर्देशित किया कि सभी प्रस्तावों एवं कार्यों की स्वीकृति समय से प्राप्त कराई जाए, जिससे विकास कार्यों के संचालन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सड़क मार्गों पर निराश्रित गोवंश दिखाई न दें, इसके लिए प्रभावी टीम गठित कर नियमित अभियान चलाया जाए। कैटल कैचर के माध्यम से निर्वाशित गोवंशों को पकड़कर गौशालाओं में संरक्षित करने तथा मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के

अंतर्गत अभियान चलाकर पात्र किसानों को गोवंश सुपुर्द करने के भी निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान विकास भवन में लगे अग्निशमन उपकरणों की वैधता अवधि समाप्त पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल पुराने उपकरण हटवाकर निर्धारित मानकों के अनुरूप नए अग्निशमन उपकरण लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी सुरक्षा उपकरण एवं व्यवस्थाएं दुरुस्त और क्रियाशील स्थिति में रहनी चाहिए। जिलाधिकारी के औचक निरीक्षण से विकास भवन के विभिन्न कार्यालयों में कर्मचारियों के बीच हड़कंप की स्थिति रही और अधिकारियों को कार्यालयीय व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रखने तथा विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया।

मरीमाता मंदिर मेले को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम-एसपी ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

संवाददाता बहराइच ब्यूरो 01 अक्टूबर। शारदीय नवरात्रि के दौरान 11 अक्टूबर 2026 को श्री मरीमाता मंदिर परिसर में प्रस्तावित मेले को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरुवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं को परखा है। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर व आसपास जलभराव की स्थिति मिलने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने खंड विकास अधिकारी तथा नगर पालिका परिषद बहराइच के अधिशासी अधिकारी को मंदिर परिसर और आसपास विशेष सफाई अभियान चलाने तथा नालियों की सफाई कराने को कहा। डीएम ने मुख्य मार्ग से मंदिर तक जाने वाले संपर्क मार्ग का भी निरीक्षण किया और मेले से पहले आवश्यक मरम्मत कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, ऐसे में आवागमन के रास्ते सुगम और सुरक्षित रहना जरूरी है। बारिश की स्थिति को देखते हुए जल निकासी के सभी ईंतजाम पहले से पूरा करने पर भी जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक को मेले के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था करने के साथ भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था की कार्ययोजना तैयार कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को विभागवार जिम्मेदारी तय कर सभी कार्य निर्धारित समय से पहले पूरा करने तथा मेले से पूर्व व्यवस्थाओं का दोबारा स्थलीय निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण, सुगम आवागमन और सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

सक्षिप्त खबरें...

आईजीआरएस निस्तारण में लापरवाही पर तीन अधिकारियों पर कार्रवाई, वेतन रोका

संवाददाता बहराइच । आईजीआरएस संदर्भों के निर्धारित समय-सीमा, में निस्तारण और पोर्टल पर समय से आख्या अपलोड न किए जाने को लेकर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कड़ा रुख अपनाते हुए तीन अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। निर्धारित समय-सीमा का पालन न होने के कारण संबंधित प्रकरण डिफाल्टर श्रेणी में प्रदर्शित हुए, जिससे जनपद की आईजीआरएस रैंकिंग प्रभावित हुई। मामले में अधिशासी अभियंता विद्युत, सदर बहराइच, उप जिलाधिकारी नानपारा तथा तहसीलदार पयागपुर को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तीन दिवस के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में अधिशासी अभियंता विद्युत, सदर बहराइच एवं उप जिलाधिकारी नानपारा का 30 सितंबर 2026 तथा तहसीलदार पयागपुर का 27 सितंबर 2026 का एक दिन का वेतन रोक दिया गया है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सभी लंबित आईजीआरएस प्रकरणों का तत्काल एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जारी नोटिस में संबंधित अधिकारियों से यह भी स्पष्ट करने को कहा गया है कि निर्धारित समय-सीमा में आईजीआरएस संदर्भों का निस्तारण न करने के लिए उनके विरुद्ध प्रतिकूल प्रविष्टि की कार्रवाई क्यों न की जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि में स्पष्टीकरण प्राप्त न होने अथवा जवाब संतोषजनक न पाए जाने की स्थिति में नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आईजीआरएस संदर्भों के निस्तारण में समय-सीमा के साथ-साथ गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए तथा शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर शिथिलता अथवा लापरवाही क्षम्य नहीं होगी और शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

सिंचानिया ढाबे के पास मीषण सड़क हादसा, बाइक सवार की मौत, साथी गंभीर

संवाददाता मिर्हीपुरवा बहराइच ब्यूरो 01 अक्टूबर। बहराइच-लखीमपुर हाईवे पर सिंचानिया ढाबे के निकट गुरुवार को बाइक और ट्रक की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में बाइक चालक की मौत हो गई, जबकि बाइक पर पीछे बैठा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 अक्टूबर 2026 को करीब 10:40 बजे मोटरसाइकिल संख्या यूपी31एवाई5471 पर धर्मेन्द्र राज पुत्र शील प्रसाद निवासी गुलरिया, थाना धौरहा, जनपद लखीमपुर खीरी अपने साथी किशन पुत्र सोहन के साथ नानपारा से लखीमपुर खीरी की ओर जा रहे थे। सिंचानिया ढाबे के पास पहुंचने पर सामने से बहराइच की ओर आ रहे ट्रक संख्या यूपी76के8911 से उनकी मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक चालक धर्मेन्द्र राज गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि पीछे बैठे किशन के सिर में भी गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस की सहायता से एंबुलेंस द्वारा दोनों घायलों को समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोतीपुर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद धर्मेन्द्र राज को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल किशन को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया गया। सीएचसी मोतीपुर-मिर्हीपुरवा से प्राप्त मेमो के आधार पर थाना मोतीपुर पुलिस ने घटना की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था को संभाला। पुलिस के अनुसार मौके पर शांति एवं यातायात व्यवस्था बनी हुई है।

भाजपा किसान मोर्चा उत्तर प्रदेश नवनि्युक्त पदाधिकारियों और क्षेत्रीय अध्यक्षों की घोषणा मऊ के देवेश राय बने प्रदेश मंत्री

मऊ।भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा उत्तर प्रदेश ने संगठन को गति देने और आगामी रणनीतियों को मजबूत करने के उद्देश्य से अपनी नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। घोषित सूची में 49 नवनि्युक्त प्रदेश पदाधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों के क्षेत्रीय अध्यक्ष शामिल हैं। इस नवगठित टीम में मऊ जिले के जुझारू एवं समर्पित नेता देवेश राय को बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया है।

देवेश राय के प्रदेश मंत्री बनने से उनके समर्थकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और जिले के किसानों में भारी उत्साह की लहर है। मऊ जिले में खुशी की लहर, बधाईयां का लगा ताता मऊ के देवेश राय को किसान मोर्चा में प्रदेश मंत्री का दायित्व मिलने पर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उन्हें हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। समर्थकों का कहना है कि देवेश राय के नेतृत्व और संगठनात्मक अनुभव से न केवल जिले में बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में किसान हित के मुद्दों को मजबूती मिलेगी। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा उत्तर प्रदेश के प्रदेश मंत्री मनोनीत होने पर मऊ के लाडले नेता श्री देवेश राय जी को हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं! आशा है कि आपके नेतृत्व में किसानों के अधिकार और जनकल्याणकारी नीतियां जन-जन तक पहुंचेंगी।:-

परिवार परामर्श केंद्र की पहल से दंपती में सुलह, टूटने से बचा परिवार

संवाददाता बहराइच ब्यूरो 01 अक्टूबर। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में पारिवारिक विवादों का आपसी सहमति से समाधान कर सामाजिक रिश्तों को बचाने के लिए चलाए जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने एक परिवार के बीच चल रहे आपसी विवाद को सुलझाकर दोनों पक्षों में समझौता कराया। पारिवारिक विवाद के संबंध में पुलिस अधीक्षक के समक्ष सुलह के लिए प्रार्थना पत्र



प्रस्तुत किया गया था। मामले के निस्तारण के लिए पुलिस अधीक्षक ने परिवार परामर्श केंद्र के प्रभारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश के क्रम में परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने शिकायतकर्ता की समस्याओं और शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर मामले को समझा। इसके बाद दूसरे पक्ष से संपर्क कर उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र पर बुलाया गया। केंद्र की टीम ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद आपसी मतभेदों को दूर करने तथा पारिवारिक जीवन को बनाए रखने के लिए समझाया-बुझाया। टीम के प्रयासों और समझाइश के बाद दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा नहीं करने, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करने तथा अपने पारिवारिक दायित्वों का जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने का भरोसा दिलाया। परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने दोनों पक्षों को भविष्य में आपसी सामंजस्य बनाए रखने और किसी भी विवाद की स्थिति में बातचीत के माध्यम से समस्या का समाधान करने की सलाह दी। पुलिस की इस पहल से एक परिवार टूटने से बच गया और दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से सुलह हो गई। समझौता कराने वाली टीम में उपनिरीक्षक रमाशंकर मिश्रा, हेड कांस्टेबल संगीता यादव, महिला आरक्षी गिरजावती, महिला आरक्षी छाया द्विवेदी तथा महिला कांस्टेबल निशी त्रिवेदी शामिल रहीं।

गांधी जयंती पर सीएचसी मोतीपुर में लगेगा वृहद रक्तदान शिविर



संवाददाता बहराइच ब्यूरो 01 अक्टूबर। गांधी जयंती के शुभ अवसर पर सेवा और संकल्प अभियान के अंतर्गत समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोतीपुर-मिर्हीपुरवा में शुक्रवार को वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर को लेकर क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वेच्छा से रक्तदान करने की अपील की गई है। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान महानदान है और किसी जरूरतमंद मरीज के लिए किया गया रक्तदान जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। क्षेत्रवासियों से अपील की गई कि वे मानव सेवा की भावना के साथ सीएचसी मोतीपुर पहुंचकर रक्तदान करें और इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें। रक्तदान के प्रति लोगों को प्रेरित करते हुए कहा गया कि आपका थोड़ा सा रक्त किसी जरूरतमंद के लिए नया जीवन बन सकता है। साथ ही संदेश दिया गया कि खून का कोई मोल नहीं होता, यह अनमोल है और जरूरत के समय किसी

पॉक्सो अधिनियम के प्रति छात्र-छात्राओं को किया जागरूक, बाल सुरक्षा के बताए कानूनी प्रावधान

संवाददाता

बहराइच ब्यूरो 01 अक्टूबर। विशेष पॉक्सो जागरूकता अभियान में के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच की ओर से महाराज सिंह इंटर कॉलेज तथा संजीवनी लॉ कॉलेज, कर्तैनपुर, बहराइच में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माननीय जनपद न्यायाधीश के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विनोद कुमार यादव के तत्वावधान में किया गया। इस दौरान विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जे. सुधाकर त्रिपाठी ने पॉक्सो अधिनियम, 2012 के प्रावधानों और इसके कानूनी परिणामों की विस्तार से जानकारी दी।



उन्होंने बताया कि पॉक्सो अधिनियम यानी लैंगिक अपराधों से बालकों का संक्षण अधिनियम 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन उपोद्भन, यौन शोषण, लैंगिक अपराध तथा अश्लील सामग्री से संक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से बनाया गया विशेष कानून है। उन्होंने कहा कि अधिनियम के तहत बच्चों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बाल-

8वें हफ्ते में भी खूब गरज रही हनुमान अंश, अब धुरंधर 2 के बाद बड़ा रिकॉर्ड करने वाली बनी साल की दूसरी फिल्म

नीम करौली बाबा के जीवन पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' सिनेमाघरों में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के आठवें सप्ताह में पहुंचने के बावजूद फिल्म की कमाई करोड़ों रुपये में जारी है। फिल्म ने भारत में शुद्ध कमाई के मामले में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। महज 1.8 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म की कमाई ने निर्माताओं को बड़ा मुनाफा दिलाया है। धार्मिक पृष्ठभूमि पर बनी '%हनुमान अंश' को सिनेमाघरों में रिलीज हुई नई फिल्मों से भी लगातार प्रतिस्पर्धा मिल रही है, इसके बावजूद दर्शकों के बीच फिल्म का आकर्षण कायम है। आठवें सप्ताह में भी फिल्म की कमाई में मजबूती देखने को मिल रही है। फिल्म ने आठवें सोमवार यानी रिलीज के 53वें दिन 2.25 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद आठवें मंगलवार को भी फिल्म ने रफ्तार बनाए रखी। सैकनिलक की शुरुआती रद्धान रिपोर्ट के मुताबिक, '%हनुमान अंश' ने रिलीज



के 54वें दिन 3.10 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही भारत में फिल्म की 54 दिनों की शुद्ध कमाई बढ़कर 312.38 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि भारत में इसका सकल संग्रह करीब 369 करोड़ रुपये बताया गया है। विदेशी बाजार में फिल्म ने 54वें दिन करीब 25 लाख रुपये कमाए। इसके

साथ फिल्म की विदेशों में कुल कमाई करीब 39 करोड़ रुपये हो गई है। भारत और विदेशी बाजारों की कमाई को मिलाकर फिल्म का दुनिया भर का कुल संग्रह करीब 408 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 1.8 करोड़ रुपये के बजट में बनी '%हनुमान अंश'

ने भारत में 312.38 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई की है। इस हिस्सा से फिल्म का लाभ करीब 310.58 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिल्म के बजट की तुलना में यह बेहद बड़ा प्रतिफल है। उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर फिल्म ने करीब 17,254 प्रतिशत का प्रतिफल दर्ज किया है।

310.58 करोड़ रुपये के कथित लाभ के साथ '%हनुमान अंश' वर्ष 2026 में 300 करोड़ रुपये से अधिक का प्रतिफल हासिल करने वाली दूसरी भारतीय फिल्म बन गई है। इससे पहले '%धुरंधर 2' ने करीब 961.32 करोड़ रुपये के प्रतिफल के साथ यह उपलब्धि हासिल की थी। दूसरी ओर, '%मिर्जापुर द मूवी' रिलीज के चौथे सप्ताह में पहुंच चुकी है। फिल्म ने चौथे सप्ताहांत में करोड़ों रुपये की कमाई की, लेकिन सप्ताह के कामकाजी दिनों में इसकी दैनिक कमाई लाखों रुपये तक सिमट गई है। फिल्म ने चौथे सोमवार को करीब 60 लाख रुपये कमाए थे। सैकनिलक की शुरुआती रद्धान रिपोर्ट के अनुसार, '%मिर्जापुर द मूवी' ने रिलीज के 26वें दिन यानी चौथे मंगलवार को करीब 70 लाख रुपये की कमाई की। इसके साथ ही भारत में फिल्म की 26 दिनों की शुद्ध कमाई बढ़कर 228.35 करोड़ रुपये हो गई है।

टेलीविजन जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री और रियलिटी शो स्टार क्रिस्टल डिसूजा ने भविष्य में मां बनने को लेकर अपनी इच्छा जाहिर की है। 36 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा है कि वह अपने अंडाणुओं को सुरक्षित रखने के विकल्प पर विचार कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक शादी नहीं की है और यह स्पष्ट किया कि उनकी पहली इच्छा स्वाभाविक रूप से मां बनने की है। यदि ऐसा संभव नहीं हो पाता है तो अंडाणु सुरक्षित रखना भविष्य के लिए एक विकल्प हो सकता है। क्रिस्टल ने मातृत्व को लेकर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यदि कोई महिला भविष्य में अपने बच्चे चाहती है या किसी कारण से मातृत्व में देरी करना चाहती है तो अंडाणु सुरक्षित रखना एक विकल्प हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह खुद भी इस प्रक्रिया के बारे में सोच रही हैं। अभिनेत्री ने यह नहीं कहा कि वह बिना शादी के मां बनने की योजना बना रही हैं। उन्होंने केवल भविष्य में मां बनने की अपनी इच्छा और इसके लिए उपलब्ध विकल्पों के बारे में बात की। उनका कहना है कि वह चाहती हैं कि उनके बच्चे स्वाभाविक रूप से हों, लेकिन



परिस्थितियां अनुकूल नहीं रहने पर अंडाणु सुरक्षित रखने का विकल्प मौजूद रहेगा। क्रिस्टल ने बच्चों को गोद लेने के विकल्प पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को अपने जैविक बच्चे नहीं चाहिए तो गोद लेना भी परिवार बनाने का अच्छा माध्यम है। दुनिया में ऐसे कई बच्चे हैं जिन्हें परिवार और बेहतर जीवन देने के लिए गोद लिया जा सकता है। अंडाणु सुरक्षित रखने के बढ़ते चलन पर उन्होंने कहा कि आजकल महिलाएं अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस विकल्प पर विचार कर रही हैं। उनके अनुसार, यदि कोई महिला आगे चलकर अपने बच्चे चाहती है, लेकिन फिलहाल इसके लिए तैयार नहीं है, तो अंडाणुओं को सुरक्षित रखना एक विकल्प हो सकता

है। क्रिस्टल ने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि वह एक दिन खुद के बच्चे चाहती हैं और उम्मीद करती हैं कि वह स्वाभाविक रूप से मां बनेंगी। हालांकि, यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो अंडाणु सुरक्षित रखने की तकनीक उनके लिए एक विकल्प रहेगी। टेलीविजन जगत में इससे पहले भी कई चर्चित अभिनेत्रियों और हस्तियों द्वारा अंडाणु सुरक्षित रखने के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की जा चुकी है। बहती उम्र के साथ मातृत्व की योजना बनाने वाली महिलाओं के बीच यह प्रक्रिया चर्चा का विषय बनी हुई है।

सत्यदेव की समवर्ती' के टीजर ने मचाई धूम, जंगल, वन्यजीव और आदिवासी संघर्ष की कहानी आधारित हैं फिल्म

अभिनेता सत्यदेव की आगामी फिल्म 'समवर्ती' के आधिकारिक टीजर को डिजिटल मंचों पर एक करोड़ से अधिक बार देखा जा चुका है। टीजर को मिल रही प्रतिक्रिया के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। अजय नाग की के निर्देशन में बनी यह सत्यदेव के प्रमुख भूमिका वाली 16वीं फिल्म है। '%समवर्ती' का निर्माण रुद्र पिक्चर्स और पंचभूत प्रोडक्शंस के बैनर तले शिवचरण रेड्डी जक्कीडी और शशिधर रेड्डी पदमती ने किया है। फिल्म के टीजर में इसे घने जंगलों की पृष्ठभूमि पर आधारित पर्यावरणीय एक्शन-रोमांच फिल्म के रूप में पेश किया गया है। टीजर में सत्यदेव महादेव के एक अलग और रौद्र रूप में दिखाई दे रहे हैं। फिल्म की कहानी में पेड़ों की कटाई, वन्यजीवों की सुरक्षा, जंगलों के संरक्षण और आदिवासी समुदायों के संघर्ष जैसे मुद्दों को प्रमुखता दी गई है। प्राकृतिक स्थलों पर फिल्माए गए दृश्यों के साथ टीजर में बाघ की झलक भी दिखाई गई है, जो कहानी के रहस्य और रोमांच को और बढ़ाती है।

फिल्म में सत्यदेव के अलावा श्रीकांत, दिलीप पोथन, राजीव कनकला, गनवी लक्ष्मण, रवींद्र विजय और मोहन भगत महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने की योजना है। '%समवर्ती' का संगीत सिंजित येरॉमिली ने तैयार किया है। हर्ष मल्लिकार्जुन और देवदीप गंडिकुटा ने छायांकन की जिम्मेदारी संभाली है, जबकि संपादन आदित्य तिवारी ने किया है।

उत्थस हाइदूर ने कला निर्देशन एवं निर्माण रूपांकन की जिम्मेदारी संभाली है और मौंदू रविकुमार कला निर्देशक हैं। निर्माता फिल्म को इस साल के अंत तक सिनेमाघरों में लाने की तैयारी कर रहे हैं। प्रदर्शन से पहले फिल्म से जुड़े अन्य प्रचारात्मक सामग्री भी जारी किए जाने की योजना है। पर्यावरण, जंगल और आदिवासी जीवन से जुड़े विषयों के साथ एक्शन और रोमांच का मेल फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा रहा है।

फिल्म में सत्यदेव के अलावा श्रीकांत, दिलीप पोथन, राजीव कनकला, गनवी लक्ष्मण, रवींद्र विजय और मोहन भगत महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने की योजना है। '%समवर्ती' का संगीत सिंजित येरॉमिली ने तैयार किया है। हर्ष मल्लिकार्जुन और देवदीप गंडिकुटा ने छायांकन की जिम्मेदारी संभाली है, जबकि संपादन आदित्य तिवारी ने किया है।



वीर पहाड़िया की इश्क का गुलाम' को सौंदर्या शर्मा का डांस शाउटआउट, प्रेम कीटाणु' की रिलीज से पहले बढ़ा बज्र

वीर पहाड़िया की अपकमिंग फिल्म 'प्रेम कीटाणु' का म्यूजिक पहले से ही दर्शकों के बीच चर्चा में बना हुआ है और अब इसमें एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा भी फिल्म के पॉपुलर ट्रैक 'इश्क का गुलाम' की एक्सइटमेंट में शामिल हो गई हैं। गौरतलब है कि सौंदर्या शर्मा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह इश्क का गुलाम गाने पर अपने डांस मूव्स दिखाती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में वीर पहाड़िया को टैग करते हुए उन्हें शुभकामनाएं देते हुए लिखा है, 'लाल परी भी हुई, इश्क का गुलाम और इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा है, 'ये तुम्हारे लिए है, अब और इंतजार नहीं कर सकती। देख सारी शुभकामनाएं। फिलहाल सौंदर्या शर्मा का यह डांस वीडियो ऐसे समय में आया है, जब वीर पहाड़िया 'प्रेम कीटाणु' की रिलीज की तैयारियों में जुटे हैं। फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। सोशल मीडिया पर इश्क का गुलाम को मिल रहे रिसर्मांस के बीच सौंदर्या के डांस वीडियो ने गाने और फिल्म को लेकर बन रहे बज्र को और बढ़ा दिया

फिल्म में सत्यदेव के अलावा श्रीकांत, दिलीप पोथन, राजीव कनकला, गनवी लक्ष्मण, रवींद्र विजय और मोहन भगत महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने की योजना है। '%समवर्ती' का संगीत सिंजित येरॉमिली ने तैयार किया है। हर्ष मल्लिकार्जुन और देवदीप गंडिकुटा ने छायांकन की जिम्मेदारी संभाली है, जबकि संपादन आदित्य तिवारी ने किया है।

उत्थस हाइदूर ने कला निर्देशन एवं निर्माण रूपांकन की जिम्मेदारी संभाली है और मौंदू रविकुमार कला निर्देशक हैं। निर्माता फिल्म को इस साल के अंत तक सिनेमाघरों में लाने की तैयारी कर रहे हैं। प्रदर्शन से पहले फिल्म से जुड़े अन्य प्रचारात्मक सामग्री भी जारी किए जाने की योजना है। पर्यावरण, जंगल और आदिवासी जीवन से जुड़े विषयों के साथ एक्शन और रोमांच का मेल फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा रहा है।



विजय के बेटे जेसन विजय की पहली फिल्म 'सिग्मा' को सेंसर बोर्ड से मिली मंजूरी, 2 अक्टूबर को होगी रिलीज

तमिल अभिनेता एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के बेटे जेसन विजय के निर्देशन में बनी पहली फिल्म '%सिग्मा' 2 अक्टूबर, 2026 को बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। फिल्म से जुड़ी ताजा जानकारी के अनुसार, इसकी सेंसर प्रक्रिया पूरी हो गई है और इसे प्रदर्शन की मंजूरी मिल गई है। सेंसर बोर्ड के सदस्यों ने फिल्म देखने के बाद इसे '%यू/ए' प्रमाणपत्र दिया है। इसके साथ ही फिल्म के सिनेमाघरों में प्रदर्शन का रास्ता साफ हो गया है। '%सिग्मा' में अभिनेता संदीप किशन मुख्य भूमिका में हैं, जबकि फरिया अब्दुल्लू मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। जेसन विजय के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म होने के कारण '%सिग्मा' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म के प्रचार को भी बड़े स्तर पर किया जा रहा है। इसके टीजर और ट्रेलर को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की बात कही जा रही है। फिल्म में राजू सुंदरम, संपत राज, शिव पंडित, अननू थसन और योग जापी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म का संगीत थमन ने तैयार किया है। कृष्ण वसंत ने छायांकन की जिम्मेदारी संभाली है, जबकि संपादन प्रवीण केएल ने किया है। '%सिग्मा' का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले सुबास्करन ने बड़े स्तर पर किया है। फिल्म 2 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

सेब बनाम नाशपाती- इनमें से कौन सा फल है अधिक हाइड्रेटिंग? जानिए

सेब और नाशपाती दोनों ही ऐसे फल हैं जो बहुत सारे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, लेकिन अक्सर लोग यह सोचते हैं कि इनमें से किसका सेवन शरीर को अधिक पानी पहुंचाने में मददगार होता है, खासकर गर्मियों में जब शरीर को अधिक पानी की जरूरत होती है। इस लेख में हम इन दोनों फलों की विशेषताओं की तुलना करेंगे ताकि आप सही चयन कर सकें और अपने शरीर को भरपूर पानी दे सकें। सेब की विशेषताएं

सेब में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो इसे गर्मियों के लिए एक अच्छा फल बनाता है। एक मध्यम आकार का सेब लगभग 85 प्रतिशत पानी से भरा होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन-सी, फाइबर और ऐसे तत्व होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। सेब का सेवन करने से पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है और यह वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।



प्रतिशत पानी होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन-सी, विटामिन-के और पोटेशियम जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। नाशपाती का सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और शरीर को साफ रखने में मदद मिलती है। इसके फाइबर युक्त गुण पाचन को स्वस्थ रखते हैं और कब्ज की समस्या से राहत दिलाते हैं।

फाइबर की मात्रा अधिक होती है। इसलिए यह पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में अधिक प्रभावी हो सकता है, वहीं नाशपाती में विटामिन-सी और पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक होते हैं। दोनों ही फल स्वादिष्ट होने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं, इसलिए इन्हें अपनी डाइट में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है। किसका चयन करना चाहिए? अब सवाल उठता है कि इन दोनों में से किसका चयन करना चाहिए? अगर आप अधिक हाइड्रेशन चाहें तो दोनों ही फल अच्छे विकल्प हैं, लेकिन अगर आपको पाचन संबंधी समस्याएँ हैं तो सेब का चयन करें क्योंकि इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन को सुधारती है, वहीं अगर आप रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना चाहते हैं तो नाशपाती बेहतर विकल्प होगा क्योंकि इसमें विटामिन-सी की मात्रा अधिक होती है।

सर्दियों में त्वचा की देखभाल करते समय न करें ये 5 गलतियां, हो सकती हैं समस्याएं

सर्दियों में त्वचा की देखभाल करते समय कई लोग कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो उनकी त्वचा को फायदा पहुंचाने की बजाय नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसका मुख्य कारण है कि सर्दियों में त्वचा को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है, लेकिन हम अक्सर छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज कर देते हैं। आइए आज हम आपको उन गलतियों के बारे में बताते हैं, जो आपको सर्दियों में त्वचा की देखभाल करते समय नहीं करनी चाहिए। त्वचा को नमी देना न भूलें सर्दियां आते ही त्वचा में नमी खोने लगती है और सूखी त्वचा पर जलन और खुजली की समस्या हो सकती है। इसलिए त्वचा को नमी देना न भूलें क्योंकि यह त्वचा में नमी बनाए रखने



में मदद कर सकता है। इसके लिए आप किसी अच्छे नमी देने

वाले क्रीम का उपयोग करें। यह सुनिश्चित करें कि उसमें त्वचा को

हाइड्रेट रखने वाले गुण मौजूद हों। इससे आपकी त्वचा कोमल और स्वस्थ बनी रहेगी। गर्म पानी से न नहाएं सर्दियों में गर्म पानी से नहाना और हाथ-पैरों को धोना अच्छा लगता है, लेकिन ऐसा करने से त्वचा और बालों की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है। इससे त्वचा सूखी और बेजान हो जाती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप नहाने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें और अपने हाथ-पैरों को धोने के लिए गुनगुने पानी का ही इस्तेमाल करें। इसके अलावा नहाने के बाद त्वचा को नमी देना भी न भूलें। गर्म कपड़े पहनने से पहले त्वचा पर लगाएं तेल

सर्दियों में लोग गर्म कपड़े पहनने से पहले त्वचा को तेल से नमी देना जरूरी है, समझते, लेकिन ऐसा नहीं करना त्वचा के लिए सही नहीं है, खासकर से पैरों को क्योंकि गर्म कपड़े पहनने के बाद पैरों पर तेल लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे त्वचा सूखी हो जाती है। इसलिए गर्म कपड़े पहनने से पहले पैरों को तेल से नमी जरूर दें। होठों की करें देखभाल सर्दियों में होठों का फटकर खून निकलने लग जाता है और इस वजह से होठों की सुंदरता भी खराब हो जाती है। इसलिए होठों की देखभाल करना जरूरी है। इसके लिए आप नियमित रूप से अपने होठों पर शहद और जैतून के तेल को

मिलाकर लगाएं या फिर लिप बाम लगाएं। इससे आपके होठ मुलायम रहेंगे और फटेंगे भी नहीं। यह उपाय आपके होठों को कोमल बनाए रखेगा। पर्याप्त पानी पीने की आदत बनाएं सर्दियों में कई लोग पर्याप्त पानी पीने की आदत नहीं बना पाते हैं, जिसके कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है। पानी की कमी से त्वचा में नमी कम होने लगती है और वह सूखी हो जाती है, इसलिए दिनभर में 7-8 गिलास पानी पीने की आदत डालें। इनके अतिरिक्त आप नींबू पानी, नारियल पानी, ताजे फलों का रस आदि का सेवन भी कर सकते हैं। इससे आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी।

बॉक्स ऑफिस पर सुपरस्टार नानी की फिल्म द पैराडाइज ने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। विश्व स्तर पर भी इसका शानदार कारोबार जारी है, और इसने 150 करोड़ रुपये के क्लब में अपनी जगह बना ली है। दूसरी ओर, सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत फिल्म द वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट भी ठीक-ठाक प्रदर्शन करते हुए बॉक्स ऑफिस पर डटी हुई है। आइए एक नजर डालते हैं इन फिल्मों के ताजा कलेक्शन पर। सैकनिलक के मुताबिक, नानी अभिनीत द पैराडाइज ने रिलीज के 6वें दिन 4.40 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म धौलेश्वर स्तर पर कुल 101.50 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर चुकी है। वहीं विश्व स्तर पर इसने 6 दिनों में 150.50 करोड़ रुपये का ग्रांस कलेक्शन कर लिया है। अब यह 200 करोड़ रुपये के क्लब में अपने पैर जमाने के लिए आगे बढ़ रही है। श्रीकांत ओडेला द्वारा निर्देशित, इस फिल्म में राघव जुयाल भी महत्वपूर्ण किरदार में हैं। 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई द वन ने अपनी रिलीज के 5वें दिन 6 करोड़ रुपये कमाए। इससे पहले, फिल्म ने चौथे दिन 5.25 करोड़ और वीकेंड पर 33.6 करोड़ रुपये कमाए थे, जिसके बाद इसका नेट कलेक्शन 44.85 करोड़ रुपये हो गया है। विदेशों में इसने अब तक 4.50 करोड़ रुपये कमाए हैं, जिससे वर्ल्डवाइड ग्रांस कलेक्शन 57.95 करोड़ रुपये हुआ है।